कोविड-19 के कारण करीब साल भर तक बंद रहने के बाद शुक्रवार से पूरे राज्य में सरकारी स्कूल फिर से खुले। स्कूल में पहुंची छात्राओं की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है।

करीब डेढ़ साल बाद सरस्वती पूजा के दिन फिर खुलेगा बीरपाड़ा चाय बगान

- सिलीगुड़ी में हुई त्रिपक्षीय बैठक में बनी सहमति
- श्रमिकों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

बीरपाड़ा (निज संवाददाता)। डुआर्स के मदारीहाट-बीरपाड़ा ब्लॉक स्थित बीरपाड़ा चाय बगान आगामी 16 फरवरी को सरस्वती पूजा के दिन से फिर खुलने जा रहा है। इस खबर से बगान के श्रमिकों के चेहरों पर खुशी की लहर फैल गयी है। गौरतलब है कि 2019 के अक्टूबर महीने से यह चाय बगान बंद है।

बगान खोलने को लेकर शुक्रवार को सिलीगुड़ी में अतिरिक्त श्रम आयुक्त कार्यालय में एक त्रिपक्षीय बैठक हुई जिसमें इस बागान को फिर खोलने का निर्णय लिया गया। साथ ही इस बैठक में फैसला लिया गया है कि श्रमिकों का जो बकाया है, उसका भुगतान किस्तों में धीरे-धीरे कर दिया जायेगा। 16 फरवरी सरस्वती पूजा के दिन बगान खोलने का निर्णय लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि बगान बंद होने से बगान में कार्यरत करीब 2200 श्रमिक बेरोजगार हो गये थे। इनमें से अनके अपनी आजीविका के लिए बगान छोड़कर बाहर भी चले गये हैं। जानकारी के मुताबिक बगान का संचालन मेरिका कंपनी के द्वारा किया जायेगा।

डुआर्स चाय वर्कर्स यूनियन के सभापति गोपाल प्रधान ने बताया कि शुक्रवार को अतिरिक्त श्रम आयुक्त कार्यालय में त्रिपक्षीय बैठक हुई थी। इस बैठक में बगान खोलने का निर्णय लिया गया है। बोनस सहित श्रमिकों के अन्य बकायों का मालिक पक्ष द्वारा धीरे-धीरे भुगतान किया जायेगा।

तृणमूल कांग्रेस मजूदर यूनियन की केंद्रीय कमिटी के सहसभापति मन्नालाल ने बताया कि श्रमिकों के बोनस सहित जितने भी बकाये हैं, उसका भुगतान किया जोयगा। उन्होंने कहा कि जो लोग पहरा

■ शेष पृष्ठ 7 पर →

सुप्रीम कोर्ट ने ट्विटर और केंद्र को दिया नोटिस

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और ट्विटर को नोटिस जारी कर एक ऐसा मैकेनिज्म बनाने की मांग की है, जिससे फालतू अकाउंट्स से

- अभद्र भाषा, अपमानजनक सामग्री पर रोक हेतु असरदार व्यवस्था बनाने को कहा
- ट्विटर ने 90 प्रतिशत से अधिक अकाउंट पर लगाई रोक

राज्यसभा सांसद दिनेश त्रिवेदी ने दिया टीए

● टीएमसी ने बताया दुर्भाग

नई दिल्ली (आईएएनएस)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद दिनेश त्रिवेदी ने शुक्रवार को राज्यसभा में पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस दौरान अपने वक्तव्य में उन्होंने दावा किया कि वह पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल में 'घुटन' और 'असहाय' महसूस कर रहे थे। त्रिवेदी ने कहा, ''मैं पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं क्योंकि मेरे राज्य में हिंसा हो रही है। मैं अपनी पार्टी का आभारी हूं कि उसने मुझे यहां भेजा। मुझे घुटन महसूस हो रही है, क्योंकि हम राज्य में हिंसा के बारे में कुछ नहीं कर पा रहे हैं।''

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि राज्य में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले

कटहलगुड़ा चाय बागान में लोगों के घर-घर जाकर राज्य सरकार के विभिन्न प्रकल्प एवं योजनाओं के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में तृणमूल कांग्रेस नेता एवं बानरहाट एक नंबर ग्राम पंचायत के उपप्रधान तबारक अली, ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के उपसभापति सुजु छेत्री, तृणमूल नेत्री प्रतिमा मिंज सहित कई उपस्थित थे। उन्होंने राज्य सरकार के विभिन्न आवेदन पत्र भी संग्रह किए। उन्होंने बताया कि राज्य के ममता बनर्जी सरकार ढेर सारी प्रकल्प लोगों के कल्याण के लिए शुरू की है। इस योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने की मुहिम तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा शुरू की गई है। विरोधी दल के कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी विषय को लेकर हम लोग प्रचार प्रसार में जुटे हुए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष .....

करीब डेढ़ साल बाद सरस्वती पूजा .....

पहरा देकर बगान की रक्षा करते आ रहे हैं, उन चौकीदारों को पुरस्कृ किया जायेगा। बगान खोलने की खबर से बगान श्रमिकों की चेहरे खुशी लौट आयी है।

लालू यादव की जमानत याचिका .....

उल्लेखनीय है कि लालू यादव को चारा घोटाला से संबंधित मामलों में पहले ही जमानत मिल चुकी है। जबकि दुमका कोषागार म में उन्होंने जमानत याचिका दायर की है। इसके अलावा डोरंडा कोषाग जुड़े मामले में अभी सुनवाई चल रही है, उसमें फैसला आना बाकी है

तैनाती हटने के बाद एक बार फिर .....

वार्ता में चीन के साथ सेनाओं को पीछे हटाने पर बनी सहमति प गए सवालों के जवाब में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने सीमा की स्थिति के विस्तार से तथ्य रखे हैं। उन्होंने कहा कि भारत-चीन के बीच सैन्य कूटनीतिक स्तर पर कई दौर के विचार-विमर्श के बाद यह सहम पायी है।

राज्यसभा सांसद दिनेश त्रिवेदी ने दिया .....

रॉय ने कहा कि अब एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ता को उच्च